C.B.S.E

कक्षा : 9

हिंदी (ब)

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश :

1) इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग, और घ।

2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खंड - क

प्र. 1. (अ) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (2×4) (1×1) = 9

गुरु पूर्णिमा के दिन हम गुरु-शिष्य परंपरा का सम्मान करते हैं। गुरु शब्द का अर्थ है 'अधंकार को दूर करने वाला'। गुरु अज्ञान को दूर करके हमें ज्ञान का प्रकाश देता है। वह ज्ञान जो हमें बतलाता है कि हम कौन हैं; विश्व से कैसे जुड़ें और कैसे सच्ची सफलता प्राप्त करें। आज छात्रों की प्रवृत्ति शिक्षक को कमतर आँकना है। आज का दिन उस संतुलन को पुन: स्थापित करने में सहायक होता है। यह जीवन के हर क्षेत्र में गुरु के महत्त्व पर बल देता है। एक खिलाड़ी की प्रतिभा एक कोच की विशेषज्ञता के अंतर्गत दिशा प्राप्त करती है। समर्पित संरक्षक गुरु एक संगीतकार की प्रतिभा को तराशता है। अध्यात्म के मार्ग में एक खोजी के मस्तिष्क का अज्ञान गुरु का प्रबोध दूर करता है। गुरु-शिष्य का संबंध सर्वाधिक महत्त्व का है। गुरु के लिये गोविंद जैसी श्रद्धा होती है। ब्रह्म-विद् और ब्रह्मज्ञानी तथा ईश्वरीय साक्षात्कार में स्थित गुरु जो सूक्ष्मतम आध्यात्मिक संकल्पनाओं को प्रदान करने मे समर्थ हो, उसके मार्गदर्शन के बिना आध्यात्मिक विकास असंभव है। गुरु के प्रति संपूर्ण समर्पण एक छात्र की सर्व प्रथम योग्यता है।

1. गुरु पूर्णिमा के दिन हम क्या करते हैं?
2. गुरु शब्द का क्या अर्थ है? स्पष्ट करें।
3. आज छात्रों की प्रवृत्ति गुरु के प्रति कैसी है?
4. गुरु के मार्गदर्शन के बिना क्या असंभव है?
5. उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक दीजिए।

प्र. 1. (ब) निम्नलिखित पद्यांश को ध्यान से पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2x3=6

नीड़ का निर्माण फिर-फिर,
सृष्टि का आह्वान फिर-फिर!
वह उठी आँधी कि नभ में
छा गया सहसा अँधेरा,
धूलि-धूसर बादलों ने
भूमि को इस भाँति घेरा,
रात-सा दिन हो गया फिर
रात आई और काली,
लग रहा था अब न होगा
इस निशा का फिर सवेरा,

1. 'वह उठी आँधी कि नभ में छा गया सहसा अँधेरा' इन पंक्तियों द्वारा कवि क्या समझाने का प्रयास कर रहा है?
2. 'रात-सा दिन हो गया' से आप क्या समझते हैं?
3. 'रात-सा दिन हो गया' से आप क्या समझते हैं?

खंड - 'ख'

प्र. 2. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए : 2

कौशल, कृत्रिम

प्र. 3. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर चंद्रबिंदु का प्रयोग कीजिए : 3

पाच, अगुली

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर नुक्ते का प्रयोग कीजिए :

जरुरत, डिविजन

ग) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर बिंदु का प्रयोग कीजिए :

कनकड़, गनदा

प्र. 4. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय पहचानिए : 3

प्रोत्साहित, शानदार

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित उपसर्ग पहचानिए :

प्रसंग, उपमान

ग) निम्नलिखित शब्दों में मूल शब्द और प्रत्यय को अलग कीजिए :

अंकित, घना

प्र. 5. निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम चिह्न का प्रयोग करें : 3

1. निधि विधि सानिका और श्यामली खेल रही हैं।
2. मैं प्रात: सात बजे कार्यालय के लिए निकलता हूँ
3. महायज्ञ सेठ ने आश्चर्य से कहा

प्र. 6. निम्नलिखित शब्दों के सही संधि-विच्छेद कीजिए : 4

हितोपदेश, शुभारंभ, उपर्युक्त, अतएव

खंड 'ग'

प्र. 7. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों उत्तर लिखिए : (2+2+1) = 5

1. सत्कार की ऊष्मा समाप्त होने पर क्या हुआ?
2. उस स्त्री के लड़के की मृत्यु का कारण क्या था?
3. लोग किन-किन चीज़ों का वर्णन करते हैं?

प्र. 7. (ब) सर चंद्रशेखर वेंकट रामन् के जीवन से प्राप्त होने वाले संदेश को अपने शब्दों में लिखिए। 5

प्र. 8. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (2+2+1)=5

1. दूसरे पद की 'जाकी छोति जगत कउ लागै ता पर तुहीं ढरै' इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।
2. जहाँ अगरबत्तियाँ बनती है, वहाँ का माहौल कैसा होता है?
3. अवध नरेश को चित्रकूट क्यों जाना पड़ा?

प्र. 8. (ब) नए बसते इलाके में कवि रास्ता क्यों भूल जाता है? 5

प्र. 9. कल्लू कुम्हार का नाम उनाकोटी से किस प्रकार जुड़ गया? 5

खंड - 'घ'

प्र. 10. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए। 5

1. 'वृक्ष लगाओ देश बचाओ'
2. बढ़ती जनसँख्या
3. मेरा बचपन

प्र. 11. अपने छोटे भाई को गणतंत्र दिवस का महत्त्व पत्र द्वारा समझाइए।

प्र. 12. दिए गए चित्र का वर्णन करें : 5

प्र. 13. महिला और सब्जीवाले के मध्य संवाद लिखें।

प्र. 14. आरोग्य सेवा संबंधी एक वैद्य द्वारा दिए गए विज्ञापन का प्रारूप (नमूना) तैयार कीजिए : 5

C.B.S.E

कक्षा : 9

हिंदी (ब)

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश :

1) इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग, और घ।

2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खंड - क

प्र. 1. (अ) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (2×4) (1×1) = 9

गुरु पूर्णिमा के दिन हम गुरु-शिष्य परंपरा का सम्मान करते हैं। गुरु शब्द का अर्थ है 'अधंकार को दूर करने वाला'। गुरु अज्ञान को दूर करके हमें ज्ञान का प्रकाश देता है। वह ज्ञान जो हमें बतलाता है कि हम कौन हैं; विश्व से कैसे जुड़ें और कैसे सच्ची सफलता प्राप्त करें। आज छात्रों की प्रवृत्ति शिक्षक को कमतर आँकना है। आज का दिन उस संतुलन को पुन: स्थापित करने में सहायक होता है। यह जीवन के हर क्षेत्र में गुरु के महत्त्व पर बल देता है। एक खिलाड़ी की प्रतिभा एक कोच की विशेषज्ञता के अंतर्गत दिशा प्राप्त करती है। समर्पित संरक्षक गुरु एक संगीतकार की प्रतिभा को तराशता है। अध्यात्म के मार्ग में एक खोजी के मस्तिष्क का अज्ञान गुरु का प्रबोध दूर करता है। गुरु-शिष्य का संबंध सर्वाधिक महत्त्व का है। गुरु के लिये गोविंद जैसी श्रद्धा होती है। ब्रह्म-विद् और ब्रह्मज्ञानी तथा ईश्वरीय साक्षात्कार में स्थित गुरु जो सूक्ष्मतम आध्यात्मिक संकल्पनाओं को प्रदान करने मे समर्थ हो, उसके मार्गदर्शन के बिना आध्यात्मिक विकास असंभव है। गुरु के प्रति संपूर्ण समर्पण एक छात्र की सर्व प्रथम योग्यता है।

1. गुरु पूर्णिमा के दिन हम क्या करते हैं?
   उत्तर : गुरु पूर्णिमा के दिन हम गुरु-शिष्य परंपरा का सम्मान करते हैं।

2. गुरु शब्द का क्या अर्थ है? स्पष्ट करें।
   उत्तर : गुरु शब्द का अर्थ है 'अधंकार को दूर करने वाला'। गुरु अज्ञान को दूर करके हमें ज्ञान का प्रकाश देता है। वह ज्ञान जो हमें बतलाता है कि हम कौन हैं; विश्व से कैसे जुड़ें और कैसे सच्ची सफलता प्राप्त करें।

3. आज छात्रों की प्रवृत्ति गुरु के प्रति कैसी है?
   उत्तर : आज छात्रों की प्रवृत्ति शिक्षक को कमतर आँकना है।

4. गुरु के मार्गदर्शन के बिना क्या असंभव है?
   उत्तर : गुरु के मार्गदर्शन के बिना आध्यात्मिक विकास असंभव है।

5. उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक दीजिए।
   उत्तर : उपर्युक्त गद्यांश के लिए 'गुरु का महत्त्व' उचित शीर्षक है।

प्र. 1. (ब) निम्नलिखित पद्यांश को ध्यान से पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2x3=6

नीड़ का निर्माण फिर-फिर,
सृष्टि का आह्वान फिर-फिर!
वह उठी आँधी कि नभ में
छा गया सहसा अँधेरा,
धूलि-धूसर बादलों ने
भूमि को इस भाँति घेरा,
रात-सा दिन हो गया फिर

रात आई और काली,
लग रहा था अब न होगा
इस निशा का फिर सवेरा,

1. 'वह उठी आँधी कि नभ में छा गया सहसा अँधेरा' इन पंक्तियों द्वारा कवि क्या समझाने का प्रयास कर रहा है?

   उत्तर : वह उठी आँधी कि नभ में छा गया सहसा अँधेरा' इन पंक्तियों द्वारा कवि मनुष्य जीवन में आने वाली आँधी अर्थात् समस्याओं को समझाने का प्रयास कर रहा है। मनुष्य चाहे कितना भी उत्साह और उमंग से काम कर रहा हो परन्तु अचानक से आने वाली बाधाएँ उसमें निराशा रूपी अंधकार को जन्म दे ही देती है।

2. 'रात-सा दिन हो गया' से आप क्या समझते हैं?

   उत्तर : रात-सा दिन हो गया' पंक्ति आँधी की भयावहता को दर्शा रही है। आँधी के आने से पूरा आकाश धूल से भर गया। आँधी की इस भयावता ने रात को भी दिन में तब्दील कर दिया। सारे प्राणी भय के मारे अपने-अपने घरों में दुबक गए। इस तरह कवि ने रात सा दिन हो गया पंक्ति द्वारा आँधी के आने से उपस्थित दृश्य का और मनुष्य पर पड़ने वाले प्रभाव का वर्णन किया है।

3. 'रात-सा दिन हो गया' से आप क्या समझते हैं?

   उत्तर : सृष्टि का आहवान से कवि का तात्पर्य नव-निर्माण से है। कवि के अनुसार हर विनाश के बाद सृष्टि नए सिरे से जन्म लेती है। कवि यहाँ पर मनुष्य को सदैव आशावादी और निर्माण के लिए तैयार रहने के लिए कह रहा है।

खंड - 'ख'

प्र. 2. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए : 2

कौशल, कृत्रिम

उत्तर : क्+औ+श्+अ+ल्+अ, क्+ऋ+त्+र+इ+म्+अ

प्र. 3. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर चंद्रबिंदु का प्रयोग कीजिए : 3

पाच, अगुली

उत्तर : पाँच, अँगुली

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर नुक्ते का प्रयोग कीजिए :

जरुरत, डिविजन

उत्तर : ज़रूरत, डिविज़न

ग) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर बिंदु का प्रयोग कीजिए :

कनकड़, गनदा

उत्तर : कंकड़, गंदा

प्र. 4. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय पहचानिए : 3

प्रोत्साहित, शानदार

उत्तर : इत, दार

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित उपसर्ग पहचानिए :

प्रसंग, उपमान

उत्तर : प्र, उप

ग) निम्नलिखित शब्दों में मूल शब्द और प्रत्यय को अलग कीजिए :

अंकित, घना

उत्तर : अंक + इत, घन + आ

प्र. 5. निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम चिह्न का प्रयोग करें : 3

1. निधि विधि सानिका और श्यामली खेल रही हैं।
   उत्तर : निधि, विधि, सानिका और श्यामली खेल रही हैं।

2. मैं प्रात: सात बजे कार्यालय के लिए निकलता हूँ
   उत्तर : मैं प्रात: सात बजे कार्यालय के लिए निकलता हूँ।

3. महायज्ञ सेठ ने आश्चर्य से कहा
   उत्तर : महायज्ञ! सेठ ने आश्चर्य से कहा।

प्र. 6. निम्नलिखित शब्दों के सही संधि-विच्छेद कीजिए : 4

हितोपदेश, शुभारंभ, उपर्युक्त, अतएव

उत्तर : हित + उपदेश, शुभ + आरंभ, उपरि + युक्त, अत: + एव

खंड 'ग'

प्र. 7. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों उत्तर लिखिए : (2+2+1) = 5

1. सत्कार की ऊष्मा समाप्त होने पर क्या हुआ?
   उत्तर : सत्कार की ऊष्मा समाप्त होने पर लंच डिनर की जगह खिचड़ी बनने लगी। खाने में सादगी आ गई और अब भी अतिथि नहीं जाता तो उपवास तक रखना पड़ सकता था। ठहाकों के गुब्बारों की जगह एक चुप्पी हो गई। सौहार्द अब धीरे-धीरे बोरियत में बदलने लगा।

2. उस स्त्री के लड़के की मृत्यु का कारण क्या था?
   उत्तर : उस स्त्री का लड़का एक दिन मुँह-अंधेरे खेत में से बेलों से तरबूजे चुन रहा था की गीली मेड़ की तरावट में आराम करते साँप पर उसका पैर पड़ गया और साँप ने उस लड़के को डस

लिया। ओझा के झाड़ -फूँक आदि का उस पर कोई प्रभाव न पड़ा और उसकी मृत्यु हो गई।

3. लोग किन-किन चीज़ों का वर्णन करते हैं?

उत्तर : लोग आकाश, पृथ्वी, जलाशयों का वर्णन करते हैं।

प्र. 7. (ब) सर चंद्रशेखर वेंकट रामन् के जीवन से प्राप्त होने वाले संदेश को अपने शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर : सर चंद्रशेखर वेंकट रामन् के जीवन से हमें सदैव आगे बढ़ते रहने का संदेश मिलता है। व्यक्ति को अपनी प्रतिभा का सदुपयोग करना चाहिए। भले ही इसके लिए रामन् की तरह सुख-सुविधाओं को छोड़ना पड़े। इच्छा शक्ति हो तो राह निकल आती है। रामन् ने संगीत के सुर-ताल और प्रकाश की किरणों की आभा के अंदर से वैज्ञानिक सिद्धांत खोज निकाले। इस तरह रामन् ने संदेश दिया है कि हमें अपने आसपास घट रही विभिन्न प्राकृतिक घटनाओं की छानबीन वैज्ञानिक दृष्टि से करनी चाहिए। हमें प्रकृति के बीच छिपे वैज्ञानिक रहस्य का भेदन करना चाहिए।

प्र. 8. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (2+2+1)=5

1. दूसरे पद की 'जाकी छोति जगत कउ लागै ता पर तुहीं ढरै' इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : इस पंक्ति का आशय यह है कि गरीब और निम्नवर्ग के लोगों को समाज सम्मान नहीं देता। उनसे दूर रहता है। परन्तु ईश्वर कोई भेदभाव न करके उन पर दया करते हैं, उनकी सहायता करते हैं, उनकी पीड़ा हरते हैं।

2. जहाँ अगरबत्तियाँ बनती है, वहाँ का माहौल कैसा होता है?

उत्तर : जहाँ अगरबत्तियाँ बनती है वहाँ का माहौल बड़ा ही गंदगी से भरा और प्रदूषित होता है। इनका घर कूड़े-कर्कट, बदबूदार, तंग और बदबू से भरे गंदे नालों के पास होता है। यहाँ इतनी बदबू होती है कि सिर फट जाता है। ऐसी विषम परिस्तिथियों में रहने के बाद भी ये दूसरों के जीवन में खुशबू बिखरने का काम करते हैं।

3. अवध नरेश को चित्रकूट क्यों जाना पड़ा?

उत्तर : अवध नरेश को चित्रकूट अपने वनवास के दिनों में जाना पड़ा। यहाँ कहने का तात्पर्य यह है कि संकट के समय सभी को ईश्वर की शरण में जाना पड़ता है।

प्र. 8. (ब) नए बसते इलाके में कवि रास्ता क्यों भूल जाता है? 5

उत्तर : नए बसते इलाके में कवि रास्ता भूल जाता है क्योंकि वहाँ पर प्रतिदिन नए मकान बनते चले जा रहे हैं। इन मकानों के बनने से पुराने पेड़, खाली ज़मीन, टूटे-फूटे घर सब कुछ गुम हो गए हैं। कवि ने अपने घर तक पहुँचने के लिए जो निशानियाँ बनाई थी वो भी इस नित्य प्रतिदिन बदलाव के कारण मिट गयी हैं। इसलिए कवि रास्ता भूल जाता है।

प्र. 9. कल्लू कुम्हार का नाम उनाकोटी से किस प्रकार जुड़ गया? 5

उत्तर : उनाकोटी में हजारों मूर्तियाँ हैं। अभी तक इन मूर्तियों के निर्माता की पहचान नहीं हो पाई है। स्थानीय आदिवासियों का मानना है कि उनाकोटी की मूर्तियों का निर्माता कल्लू कुम्हार था। वह पार्वती का भक्त था। वह शिव - पार्वती के साथ उनके निवास स्थान कैलाश पर्वत पर जाना चाहता था। पार्वती के जोर डालने पर शिवजी तैयार तो हो गए,पर उन्होंने एक शर्त रखी कि उसे एक रात में शिव की कोटि (एक करोड़) मूर्तियाँ बनानी होंगी। जब

भोर हुई तो मूर्तियाँ एक कोटि से कम निकलीं। उना का अर्थ है एक करोड़ से एक कम। इस युक्ति से शिव को कल्लू से पीछा छुड़ाने का बहाना मिल गया। कल्लू को अपनी मूर्तियों के साथ उनाकोटी में ही छोड़ दिया और चलते बने। इस प्रकार कल्लू कुम्हार का नाम उनाकोटी से जुड़ गया।

खंड - 'घ'

प्र. 10. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए। 5

'वृक्ष लगाओ देश बचाओ'

भारतीय संस्कृति की परंपरा के अनुसार पेड़ को देवता मानकर उनकी पूजा की जाती है। यह हमारे जीवन का आवश्यक अंग है। वृक्ष के बिना हम भी अधिक समय तक अपने अस्तित्व को जिंदा नहीं रख सकते। वन वातावरण में से कार्बन डाईऑक्साइड को कम करते हैं। वातावरण को शुद्ध बनाते हैं। बहुमूल्य ऑक्सीजन देते हैं। पेड़ हमें भोजन, घरों के निर्माण और फर्नीचर बनाने के लिए हमें लकड़ी प्रदान करते हैं। वे हमें ईंधन के लिए लकड़ी उपलब्ध कराते हैं। हमें विभिन्न प्रकार की जड़ी-बूटियाँ देते हैं। बढ़ती आबादी, शहरीकरण के कारण हरियाली तेजी से कम हो रही है। जितनी तेज़ी से हम इनकी कटाई कर रहे हैं, उतनी तेज़ी से ही हम अपनी जड़ें भी काट रहे हैं। वृक्षों के कटाव के कारण आज भयंकर स्थिति उत्पन्न हो गई है। पेड़ों का क्रूर वध हमारे विनाश में सहायक होगा। रेगिस्तान का विस्तार होगा, नदियाँ सूख जाएगी, पानी की कमी होगी, भूमि बंजर हो जाएगी, प्रकृति का संतुलन बिगड़ जाएगा। हमारा अस्तित्व उन पर निर्भर करता है इसलिए हमें पेड़ों की रक्षा करनी होगी। पर्यावरण की समस्याओं का एकमात्र समाधान पेड़ों की सुरक्षा है। सरकार ने जनमानस को जागृत करने के लिए 1950 में वन महोत्सव कार्यक्रम आरंभ किया।

पर्यावरण को बचाने के लिए यह हमारे जागने का वक्त है। सिर्फ जागने का ही नहीं, कुछ करने का भी। इसके लिए जरूरी है कि हम पेड़ लगाएँ। विनोबा भावे ने हर व्यक्ति को एक पेड़ लगाना चाहिए यह संदेश दिया है।

प्रत्येक व्यक्ति को यह समझना होगा कि वन ही जीवन है, इस वन-जीवन से हम प्यार करें और वृक्षों को लगाकर इसकी रक्षा करे।

बढ़ती जनसँख्या

बढ़ती हुई जनसँख्या हमारे देश में एक विकराल रूप लेती जा रही है। किसी जी देश की जनसंख्या यदि उस देश के संसाधनों की तुलना में अधिक हो जाती है तो वह देश पर अनचाहा बोझ बन जाती है। जनसंख्या बढ़ने से जीवन की प्राथमिक आवश्यकताएँ - भोजन, वस्त्र और मकान भी पूरे नहीं पड़ते।

बढ़ती हुई जनसँख्या किस तरह से संसाधनों को निगलती जा रही है इसका सबसे बड़ा उदाहरण है बढ़ती हुई महँगाई। बढ़ती जनता को रोजगार देने के लिए, जंगलों को खत्म करने के बाद बढता औद्योगिकरण अब हमारे गाँव में पैर पसार रहा है! फलस्वरूप कम्पनियों की फैक्ट्रियों अब गाँव की शुद्ध जलवायु में जहर घोल रही है वहाँ की उपजाऊ जमीन पर बसी फैक्ट्री अब गेहूँ के दाने नहीं वो काँच के गोलियाँ पैदा कर रही है! आबादी बढ़ने से स्थिति और भी अधिक भयावह हो जाएगी, तब जलापूर्ति, आवास, परिवहन, गंदे पानी का निकास, बेरोजगारी का अतिरिक्त भार, महँगाई, बिजली जैसी आधारभूत संरचना पर अत्यधिक दबाव पड़ता नजर आएगा। सरकार को चाहिए कि वो कुछ गंभीर और सख्त नियम बनाए। जिससे जनसँख्या नियंत्रित की जा सके। आज जनसंख्या के मामले मे राष्ट्र को सही शिक्षा देने की सबसे ज्यादा जरूरत है क्योंकि शिक्षा, राष्ट्र की सबसे सस्ती सुरक्षा मानी जाती रही है। जन जागरण अभियान, पुरुष नसबंदी, गर्भ निरोधक गोलियाँ, देर से विवाह जनसंख्या को रोकने के उपाय है।

मेरा बचपन

हम सबका बचपन तितली की तरह उड़ता, चिड़िया की तरह चहकता और गिलहरी की तरह फुदकता हुआ था। सुख और दु:ख की घनी छाँव क्या होती है, इसकी हमें खबर न थी। मनुष्य के बचपन के दिन बड़े सुनहरे होते हैं। ये वह दिन होते हैं, जिसकी मधुरता जीवनभर प्रसन्नता भरती

रहती है। जब भी बचपन की तस्वीर सामने आती है ढेर सारी यादें ताज़ा हो जाती हैं।

बचपन में माँ बड़ा दुलार किया करती थी। पापा रोज़ शाम को कार्यालय से आते हुए मेरे खाने के लिए कुछ न कुछ लाया करते थे। तितलियों और पतंगों को पकड़कर डिब्बे में बंद कर एक साथ छोड़ना, पतंगों के पीछे धागे बाँधना, कीचड़ से सने पैरों समेत बेधड़क घर में घुस जाना, केंचुए पर नमक छिड़ककर उसका छटपटाना देखना, कितनी बार अपने सपनो का घर बनाते तो कभी गुड्डे-गुडियों की शादी करते, कभी लड़कियों की चोटी खींचते और उन्हें परेशान करते उस पर पापा की वो डाँटे और वो गलती पर मम्मी को मनाना होता था, कभी बारिश में कागज़ की नाव बहाए, हमारी गेंद पड़ोसियों के घरों में चली जाती।

सावन की पहली फुहार का बेताबी से इंतजार रहता था हम सबको। बूँदें धरती पर गिरी नहीं कि हथेली उसे सहेजने के लिए अपने आप ही आगे बढ़ जाती थी। कागज की कश्ती बनाना और उसे दूर तक जाते हुए देखना कितना सुखद अहसास है। छुट्टियों मे हम सुबह सुबह साइकिल दुकान पहुँच जाते और साइकिले लेकर चल देते। साइकिलों की दौड़ होती थी और ढेर सारे करतब किये जाते थे।

इस तरह बचपन की मधुर स्मृतियाँ मनुष्य के मन को खुशी से भर देती है।

प्र. 11. अपने छोटे भाई को गणतंत्र दिवस का महत्त्व पत्र द्वारा समझाइए।

निर्मला भवन
सरला नगर
राजापुर
दिनाँक - 2 जनवरी 2015
प्रिय सागर
सस्नेह
तुम्हारा पत्र मिला। यहाँ सब ठीक है, आशा है तुम वहाँ सकुशल होगे। पत्र में तुम गणतंत्र दिवस के बारे में जानना चाहते थे और यह बहुत खुशी की बात है।
हमारा देश 15 अगस्त, 1947 को स्वतंत्र हुआ। स्वतंत्र होने से पहले देश के नागरिक 26 जनवरी को स्वतंत्रता प्राप्त करने की प्रतिज्ञा लिया करते थे। 26 जनवरी, 1950 को हमारे देश ने एक संविधान स्वीकार किया है। इसी कारण यह दिवस राष्ट्रीय पर्व के रुप में मनाया जाता है। संविधान ने प्रत्येक नागरिक को कुछ अधिकार दिए हैं। इसके साथ कुछ उत्तरदायित्व भी सौपें हैं। इन्हें हम संविधानिक उत्तरदायित्व कहते है। जैसे कानून का पालन करना, राष्ट्रीय धरोहर की देखभाल करना, सार्वजनिक स्थान पर अनुशासन बनाए रखना भी हमारी जिम्मेदारी है।
आशा है, तुम गणतंत्र दिवस और अपनी जिम्मेदारियों को अच्छी तरह से समझ गए होगे। अपना ख्याल रखना और पत्र लिखते रहना।
तुम्हारी बहन
सीमा

प्र. 12. दिए गए चित्र का वर्णन करें : 5

उपर्युक्त चित्र में हमें एक नन्हा बच्चा नल के नीचे खड़ा दिखाई दे रहा है। उसके हाथ में एक गुल्लक है। जिसमें वह बूंद-बूंद पानी भरने का प्रयास कर रहा है। इस चित्र को देखकर हमें दो चीजें समझ आती है। पहली यह कि बूँद बूँद से घड़ा भरता है अर्थात् जीवन में की गई छोटी-छोटी बचत बड़ी काम आती है। दूसरा इस चित्र द्वारा शायद यह भी बताने का प्रयास किया जा रहा है कि यदि हम पानी की बर्बादी की ओर इसी तरह बेखबर रहे तो हमें पानी की बूँदें भी नसीब न होगी।

प्र. 13. महिला और सब्जीवाले के मध्य संवाद लिखें।

उत्तर :

सब्जीवाला : क्या चाहिए मेडम?

महिला : प्याज

सब्जीवाला : छोटे या बड़े

महिला : दोनों के क्या दाम है?

सब्जीवाला : छोटे २५ रु. और बड़े २० रु. किलो।

महिला : दो दिन पहले तो मैंने छोटे प्याज २० रु. में खरीदे थे।

सब्जीवाला : आप सही कह रही है परंतु आज मार्केट में प्याज के दाम बढ़ गए है।

महिला : आप ठीक भाव लगा देना, मैं दूसरी सब्जी भी लेनेवाली हूँ।

सब्जीवाला : देखते हैं, और क्या दूँ?

महिला : आलू कैसे?

सब्जीवाला : २० रु. किलो

महिला : १ किलो देना

सब्जीवाला : ये लीजिए।

महिला : अब ठीक हिसाब कर दो।

सब्जीवाला : ठीक है मैडमजी।

प्र. 14. आरोग्य सेवा संबंधी एक वैद्य द्वारा दिए गए विज्ञापन का प्रारूप (नमूना) तैयार कीजिए : 5